4. निम्नलिखित में से किसी **एक** मंत्र का अनुवाद हिन्दी भाषा में कीजिए :

(अ) यत्प्रज्ञानमुत चेतो धृतिश्च यज्ज्योतिरन्तरमृतं प्रजासु।
यस्मान्न ऋते किं च न कर्म क्रियते तन्मे मनः
शिवसंकल्पमस्तु॥

अथवा

(ब) सप्त चक्रान् वहति काल एष सप्तास्य नाभीरमृतं न्वक्षः।
स इमा विश्वा भुवनान्यञ्जत् कालः स ईयते प्रथमो नु
देवः॥

5. कठोपनिषद् के अनुसार स्वर्ग्य अग्नि पर संक्षेप में टिप्पणी कीजिए।
6. कठोपनिषद् के अनुसार श्रेय-प्रेय विवेक को समझाइये।
7. न्याय दर्शन के अनुसार समवायि एवं असमवायिकारण को स्पष्ट कीजिए।
8. वेदान्त दर्शन के अनुसार माया की द्विविध शक्तियों का वर्णन कीजिए।
9. चार्वाक दर्शन के अनुसार देहात्मवाद की समीक्षा कीजिए।

SA-06

December – Examination 2020

B.A. (Part III) Examination

SANSKRIT

वेद, उपनिषद् तथा भारतीय दर्शन

Paper : SA-06

*Time : **2** Hours*] [*Maximum Marks : **70***

Note :– The question paper is divided into two Sections A and B. Write answers as per the given instructions.

निर्देश :- यह प्रश्न-पत्र 'अ' और 'ब' दो खण्डों में विभाजित है। प्रत्येक खण्ड के निर्देशानुसार प्रश्नों के उत्तर दीजिए।

Section–A **7×2=14**

(Very Short Answer Type Questions)

Note :– Answer all questions. As per the nature of the question delimit your answer in one word, one sentence or maximum up to **30** words. Each question carries 2 marks.

खण्ड—अ

(अति लघु उत्तरीय प्रश्न)

निर्देश :- सभी प्रश्नों के उत्तर दीजिए। आप अपने उत्तर को प्रश्नानुसार, एक शब्द, एक वाक्य या अधिकतम **30** शब्दों में परिसीमित कीजिए। प्रत्येक प्रश्न 2 अंकों का है।

1. (i) व्याकरणाचार्य पतञ्जलि के अनुसार ऋग्वेद की कितनी शाखाएँ मानी गयी हैं ?

   (ii) कविक्रतुः पद किस देवता हेतु प्रयुक्त हुआ है ?

   (iii) युद्ध करते हुए लोग किस देवता को पुकारते हैं ?

   (iv) पुरुष सूक्त के ऋषि कौन हैं ?

   (v) कठोपनिषदानुसार अणु से अणुतर किस तत्त्व को कहा गया है ?

   (vi) स्वभाववाद किस दर्शन का सिद्धान्त है ?

   (vii) अध्यारोप किसे कहते हैं ?

Section–B 4×14=56

(Short Answer Type Questions)

Note :– Answer any *four* questions. Each answer should not exceed **200** words. Each question carries 14 marks.

खण्ड—ब

(लघु उत्तरीय प्रश्न)

निर्देश :- किन्हीं **चार** प्रश्नों के उत्तर दीजिए। आप अपने उत्तर को अधिकतम **200** शब्दों में परिसीमित कीजिए। प्रत्येक प्रश्न 14 अंकों का है।

2. निम्नलिखित में से किसी **एक** मंत्र की संदर्भ-अन्वय-अनुवाद सहित व्याख्या हिन्दी भाषा में कीजिए :

   (अ) हिरण्यगर्भः समवर्तताग्रे
   भूतस्य जातः पतिरेक आसीत्।
   स दाधार पृथिवीं द्यामुतेमां
   कस्मै देवाय हविषा विधेम॥

   अथवा

   (ब) यः पृथिवीं व्यथमानामंदृहद्
   यः पर्वतान् प्रकुपितां अरम्णात्।
   यो अन्तरिक्षं विममे वरीयो
   यो द्यामस्तभ्नात्स जनास इन्द्रः॥

3. निम्नलिखित में से किसी **एक** मंत्र की व्याख्या संस्कृत भाषा में कीजिए :

   (अ) स्वर्गे लोके न भयं किंचनास्ति, न तत्र त्वं, न जरया बिभेति।
   उभे तीर्त्वा अशनायापिपासे शोकातिगो मोदते स्वर्गलोके॥

   अथवा

   (ब) आशाप्रतीक्षे संगतं सूनृतां च इष्टापूर्ते पुत्र-पशूँश्च सर्वान्।
   एतद् वृङ्क्ते पुरुषस्याल्पमेधसो यस्यानश्नन्वसति ब्राह्मणो गृहे॥